कहता ऊधो तुम बिन मोहन ऐसे झरते नैना भजन लिरिक्स

कहता ऊधो तुम बिन मोहन,
ऐसे झरते नैना,
जैसे झरता झरना।bd।

तर्ज – मेरे नैना सावन भादो।
(राधारानी का संदेश कृष्ण तक ऊधो की जुबानी)

कहता ऊधो तुम बिन मोहन,
ऐसे झरते नैना,
जैसे झरता झरना।bd।

सुनी है फुलवारी,
सुनी है गौशाला
बादल बनकर निकल गए तुम,
जब से नंद के लाला-२
तड़फ तड़फ बृजबाला कहती,
कब आओगे कान्हा-२।bd।

सुना है वृन्दावन,
सुना है बृज सारा,
जिस दिन से हमे छोड़ गए तुम,
सुना गोकुल सारा-२
एकैक दिन एक बरस सा लगता,
मिट गया सुख और चैना-२।bd।

वो बातें मन भाए,
पल पल याद वो आए,
जीवन के इस कठिन समय मे,
रात को नींद न आए-२
ये नैना तेरी राह जोहती,
लौट के जल्दी आना-२।bd।

सुन बातें ऊधो की,
समझ गए सब कान्हा,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

कण कण में मैं बसा हुआ हूँ,
उनको तुम समझाना-२
मन की आँख से जब तुम देखो,
पास मुझे ही पाना-२ ।bd।

कहता ऊधो तुम बिन मोहन,
ऐसे झरते नैना,
जैसे झरता झरना ।bd।

– भजन प्रेषक तथा लेखक –
JASWANT SABLIYA

Video Not Available

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com